513

MARJ-05

December - Examination 2016

M.A.(Final) Rajasthani Examination

प्राचीन अर मध्यकालीन राजस्थानी काव्य

Paper - MARJ-05

Time : 3 Hours] **[Max. Marks :- 80**

निर्देश : औ प्रश्न पत्र तीन खण्डों में बँट्योड़ौ है। खण्ड 'अ' में साव छोटा सवाल, खण्ड 'ब' में छोटा सवाल अर खण्ड 'स' में निबन्धात्मक सवाल दियौड़ा है।

खण्ड – 'अ' **$8 \times 2 = 16$**

(अति लघु उत्तरीय प्रश्न)

निर्देश : सगळां प्रश्न करणा जरूरी है। शब्द सीमा अेक सबद, अेक वाक्य या अधिकतम 30 सबद हैं।

1) (i) दुरसा आढ़ा री कोई दोय रचनावां रा नाम बतावो।

(ii) 'बसंत विलास फागु' काव्य रचना रौ विसै बतावो।

(iii) 'ढोला मारू रा दूहा' रचना किण तरै री रचना है।

(iv) 'बीसलदेव रासो' री नायिका कुण ही।

(v) 'कान्हड़दे प्रबन्ध' रचना रौ रचनाकार रौ नाम लिखो।

(vi) 'रणमहल छंद' रचना कितरा छंदा में रचित है?

(vii) 'वेलि क्रिसन रुकमणी री' रचना किण सैली में रचित है?

(viii) कुशललाभ द्वारा रचित कोई तीन रचनावां रा नाम बतावो।

(खण्ड – ब) $4 \times 8 = 32$

(लघु उत्तरीय प्रश्न)

निर्देश : नीचै दिया सवालां मांय सू कोई चार सवालां रौ पडूत्तर दिरावो। सबद सीमा 200 सबद है।

2) आधुनिक राजस्थानी गद्य साहित्य री प्रमुख विसेसतावां नै उजागर करो।

3) 'ढोला मारू रा दूहा' रचना रौ कथासार आपरै सबदां में लिखो।

4) 'बीसलदेव रासो' री अैतिहासिकता सिद्ध करो।

5) 'रणमहल छंद' रचना रै नायक रणमहल राठौड री चारित्रिक विसेसतावां नै उजागर करो।

6) हालां झालां रा कुण्डलिया री काव्यगत विसेसतावां नै सोदाहरण स्पष्ट करो।

7) 'वेलि क्रिसन रूकमणी री' रचना में चित्रित प्रकृति सौन्दर्य नै उदाहरण सैती स्पष्ट करो।

8) कुशललाभ री रचनावां रौ भाव–सौन्दर्य उदाहरण समेत स्पष्ट करावो।

9) कवि नरहरिदास बारहठ रौ जीवण – वृत्त माथै टिप्पणी लिखो।

(खण्ड – स) $2 \times 16 = 32$

(निबन्धात्मक प्रश्न)

निर्देश : नीचै लिख्यां सवालां मांय सूं कोई सवालां रौ पडूत्तर दिरावो। सबद सीमा 500 सबद है।

10) 'ढोला मारू रा दूहा' रचना अेक विरह परख रचना है? इण कथन सी पुस्टि उदाहरण समेत दिरावो।

11) 'बीसल देव रासो' रचना रै कला – पख नै सोदाहरण स्पष्ट करावो।

12) 'वेलि क्रिसन रूकमणी री' रचना वीर, सिणगार अर भगती रस री त्रिवेणी है? इण कथन री पुस्टि उदाहरण समैत दिरावो।

13) अल्लूजी कविया रै भगती साहित्य पर लेख लिखो।